



# पालीचाल सेवा मंडल

नागपुर

(स्थापना-१९५ अगस्त, १९६१ - रजि. नं. इ-३३० (N) ६५)



३१ मार्च १९७७ को समाप्त होनेवाले वर्ष का

आय-व्यय पत्रक

तथा

वार्षिक विवरण

-: कार्यालय :-

३८३, प. जवाहरलाल नेहरू मार्ग  
पटवर्धन हायस्टक्स के सामने, सोताबर्डी, नागपुर-४४००१२.

# पालीचाल सेवा मंडल, नागपुर

R. N. E. 337 (N)

\* कार्यालय \*

३८३, प. जवाहरलाल नेहरू मार्ग पटवर्धन हायस्कूल के सामने  
सिताबडी, नागपुर-४५००१२

१८ वीं वार्षिक सर्व साधारण सभा की सुचना

श्रीमान/श्रीमती

मान्यवर महोदय/महोदया

पालीचाल सेवा मंडल, नागपुर की १८ वीं वार्षिक सर्व साधारण  
सभा दिनांक ११-११-१९८१ दिन रविवार समय ३ बजे दोपहर मंडल के  
कार्यालय में होगी। अतः आपकी उपस्थिती प्रारंभनीय है।

वार्षिक सर्व साधारण सभा में निम्नलिखित विषयों पर विचार विमर्श  
होगा।

- १) पिछली वार्षिक साधारण सभा के विवरण को स्वीकृती प्रदान करना
- २) ३१ मार्च १९८० को समाप्त होनेवाले वर्ष के आय-व्यय लेखा की  
स्वीकृती प्रदान करना।
- ३) सचिव द्वारा वार्षिक विवरण पठन।
- ४) अंकेशक की नियुक्ति करना।
- ५) अखिल भारतीय पालीचाल ब्राह्मण संघ के लिये प्रतिनिधियों का  
१९८१ तथा ८२ के लिये चयन करना।
- ६) अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय।

नागपुर

दिनांक ११-१२-१९८०

कार्यकारिणी के आदेशानुसार

मंत्री

देवचंद हरजाल  
पालीचाल सेवा मंडल, नागपुर-१२

## कार्यक्रम की सूचना

ता. ११-१-१९८१ रविवार

### १) कुओंका उद्घाटन समारंभ

श्रीमती द्व. गौराजाई भूरालालजी आदिया द्वारा प्रदत्त दानराशि से सेवा मंडल भवन में बनाये हुये कुओं का उद्घाटन प्रमुख अतिथि श्रीमान सेठ देवीलालजी शर्मा (सुहाम) मोहगांव भूतपूर्व मंत्री मध्यप्रदेश राज्य सरकार के करकमलों द्वारा दुपहर १-०० बजे सम्पन्न होगा ।

### २) फोटो का अनावरण

दानदाताओं के फोटो का अनावरण समारंभ प्रमुख अतिथि के उपस्थिति में श्रीमान देवचंद्रजी बुनोया नागपूर, के करकमलों द्वारा सम्पन्न होगा ।

### ३) स्वल्पोहार

चाय पान तथा स्वल्पोहार दुपहर २-०० बजे से २-३० तक ।

### ४) सर्व साधारण सभा दुपहर ३-०० बजे से.

## पालीबाल सेवा मंडल, नागपुर

मान्यवर महोदय/महोदया

हमें हर्ष है कि १८ वीं वार्षिक सर्वसाधारण सभा के समक्ष आय-व्यय, विधि-विवरण तथा वार्षिक विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं ।

इस वर्ष आपके मंडल में ११ आजीवन सदस्य तथा ३० साधारण सदस्यों की संख्या में अभिवृद्धि हुयी है । आज मंडल में ४२८ आजीवन सदस्य एवं ५० साधारण सदस्य संख्या है । चालू वर्ष में आपके सक्रिय सहयोग से आजीवन सदस्य संख्या ५०० तक ले जाने के लिये कृत संकल्प है ।

इस वर्ष छाताकास प्राप्ति ४३०३ रुपये से बढ़कर ५७८१ रुपये हो गयी है । चालू वर्षमें छात्रों को सुविधायें देकर प्राप्ति बढ़ानेके लिये छात्रवृत्ति निधि-

इस वर्ष छात्रवृत्ति निधि ११००३ रुपये से बढ़कर २३००३ रुपये हुयी है । आज यह निधि राशि २५००३ रुपये है । शिक्षाके प्रसार का महत्व समाज में प्रतिपादित हो रहा है । निकट भविष्य में जरुरतमंद छात्रों के सुछात्रवृत्ति मांग को ध्यान में रखते हुये इस निधिराशिको एक लाख तक बढ़ाने के लिये आपके सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है ।

### छात्र वृत्ति-

इस वर्ष होनहार छात्रों को २५०० रुपये छात्रवृत्ति वितरित की गई है । चालू वर्ष में २४०० रुपये राशि स्वीकृत की गयी है और प्रथम किसत दी गयी है । दूसरी किसत जनवरी माहमें वितरित की जावेगी ।

### भवन निधि-

इस वर्ष भवन निधि में ४१५० रुपये की अभिवृद्धि हुयी है । आपको सहचित करते हुये हर्ष होता है कि श्रीमती स्व. गौरालालजी आदिवा चबांगव वालों के ५००० रुपये कुओं बनाने के लिये दान राशि से भवन में चालू वर्ष में कुआं बना लिया है । कुओंपर मोटर पम्प लगाने के लिये हम प्रयत्नशील हैं ।

पालीबाल छात्रावास नागपूर में एक आदर्श एवं उपर्युक्त छात्रावास के रूपमें प्रसिद्ध है। इस वर्ष छात्रों की मांग एवं आवश्यकता को ध्यानमें रखते हुये कमरों में बिजली के पांच तथा टचुबलाईट्स लगाये गये हैं। इस वर्ष छात्रावास भवन में कुआंवनाने के कारण छात्रों को एवं सामाजिक कार्यक्रमों के अवसर पर पर्याप्त पानी की सुविधा हो गई है।

सेवा मंडल भवन में विभिन्न भागोंसे आनेवाले अतिथियों की संख्यामें निरंतर बढ़ दि आपके भवतकी लोकप्रियता एवं सामाजिक भावना की जागृति का द्योतक है। भवन में दो अतिथि कक्ष (एक डबलबेड तथा दुसरा मिश्नल बेड) आधुनिक मुख सुविधाओं से पूर्ण इस वर्ष बनाये गये हैं। अतिथिकक्ष के लिये नाम माव शुल्क लिया जाता है। इसके अतिरिक्त अतिथियों को भवन में ठहरने के लिये निशुल्क पर्याप्त व्यवस्था है। अतिथियोंको अधिकसे अधिक सुविधायें एवं सेवा प्रदान करने के लिये हम प्रयत्नशील हैं।

आपको सूचित करते हुये हर्ष होता है कि वर्तमान सत्र से पालीबाल छात्रों को छात्रावास वार्षिक शुल्क में घिलें वर्ष की अपेक्षा ६० रुपये की विधायत दी गई है।

#### बत्तन-निधि भंडार-

इस वर्ष बत्तन निधि ७४०४ रुपये से बढ़कर ८७२१ रुपये हो गई है। इस वर्ष आपके मंडल ने ५९३८-३९ रुपये के बत्तन खरिद है। सामाजिक कार्यक्रमों के लिये लगानेवाले वरतनों को देखते हुये मंडल को और अधिक वरतनों की आवश्यकता होगी। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि इस निधि में दान देकर बरतन भंडार को अभिभृदि में योगदान दे।

आपके मंडल का आयकर विधान की धारा १२(अ)के अन्तर्गत चालू वर्ष में पंजीयन हो गया है। आपके मंडल को अब सार्वजनिक न्यासों को आयकर विधान में मिलनेवाले लाभ मिलते रहेंगे।

पंडलके दानदाता, सदस्य एवं मंडलके हित चितको के सक्रिय सहयोग के लिये आपको कार्यकारिणी आभारी है। आप सभी उपस्थित महानभावों को मंडल की एवं कार्यकारिणी की ओरसे आपके सक्रिय सहयोग लिये धन्यवाद देता है और भविष्य में आपके अमुल्य सहयोग के लिये आपका यह मंडल अपेक्षा करता है।

धन्यवाद!

#### -छात्रावास के नियम-

- १) नागपुर के किसी भी स्कूल कॉलेज में शिक्षा की इच्छा रखनेवाले समाज के विद्यार्थियों को इस छात्रावास से प्रवेश दिया जायेगा। बाहर गांव से आने वाले विद्यार्थियों को प्राधार्य दिया जायेगा।
- २) छात्रालय का प्रथम सत्र जुलाई से आक्टोबर तक तथा दूसरा सत्र नवम्बर से अप्रैल तक रहेगा। प्रत्येक विद्यार्थी को आवास शुल्क २१) रु. प्रति माह देना होगा। इस शुल्क का भुगतान जुलाई तथा नवम्बर के प्रथम सप्ताह में करना आवश्यक है। (दो माह का शुल्क अधिक जमा किया जाय)।
- ३) विद्यार्थी को राति के १० बजे से पूर्व छात्रावास में आना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी कारण से नियमित रूप से १० बजे के पश्चात आता चाहे तो उसके लिए उसके पालक की आज्ञा लिखित रूप में देना आवश्यक होगा।
- ४) प्रत्येक छात्र को अपना आचरण तथा भगवहार इस प्रकार रखना होगा जिससे छात्रावास का वातावरण शान्त एवं स्वच्छ रहे तथा अय विद्यार्थियों को अमुविद्या नहीं हो। यदि किसी छात्र का व्यवहार असंतोषप्रद रहा या उसका आचरण छात्रावास छोड़ने को बाध्य करने का पूर्ण अधिकार, अध्यक्ष, अथवा मंत्री को रहेगा।

- ५) छात्रों के निजी सामान की जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। कहीं भी बाहर जाने के पूर्व कमरे में ताला लगाकर तथा जोखम को सावधान रखकर जावें। किसी भी वस्तु के गुम जाने पर उसकी जिम्मेदारी संस्था पर नहीं रहेगी।
- ६) छात्रालय को स्वच्छ रखना सभी विद्यार्थियों का कर्तव्य है। यदा-कदा पान का सेवन यदि किया जावे तो उसे नियत स्थान पर ही शूका जाय।
- ७) संदास एवं स्नानगृह का उपयोग करने के पश्चात वहां समुचित पानी छोड़ा जाय। बाहर निकलते समय विद्यार्थी, संदास तथा स्नानगृह के नल, दरवाजे एवं लाईट आवश्यक रूप से बंद कर देवें।

## पालीबाल सेवा मंडळ, नागपूर

R: N. F. 337 (N)

c) अधिकारी की पूर्व आज्ञा के बिना कोई भी बाहर का व्यक्ति रात्रि में छातालय में नहीं रह सकेगा । वार्षिक परीक्षा की अवधि में यदि कोई सहपाठी नियमित रूप से विद्यार्थी के साथ रहेगा तो उसे पूर्व अनुमति लेना आवश्यक रहेगा । तथा उसके लिए अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा ।

१) छातालय में आयोजित सभी कार्यक्रमों में सभी विद्यार्थियों ने स्वयंसकृति से भाग लेना चाहिये ।

२) महाविद्यालय में होने वाली समस्त परीक्षाओं के परिणाम की एक काँपी परिक्षाकल मिलने के १ माह के अंदर छातालय के अधिकारी को देना आवश्यक है ।

३) समय समय पर दो गई सूचनाओं का पालन प्रत्येक विद्यार्थी को करना आवश्यक है ।

४) छातालय में लम्बी अवधि के लिए अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के लिए छातालय के अधिकारी से पूर्व अबूमति लेना आवश्यक है ।

५) पालीबाल समाज के छात्रों को ग्राम्यस्थिति दी जायेगी और जगह खाली रहने पर अन्य समाज के छात्र रहने दिये जायेंगे ।

उच्चसचिव,

शिवानाथायण पालीबाल,  
अर्जुनी मोर्गांच,  
भंडारा

कार्यालय :-

पालीबाल सेवा मंडल, भवन,  
३८३, पं. जवाहरलाल नेहरू मार्ग,  
पटवर्धन हायस्कूल के सामने,  
सोरावडी, नागपूर-४४००१२.

### ♦ वार्षिक संवंसाधारण सभा की सूचना ♦

मान/श्रीमती.....

पालीबाल सेवा मंडल, नागपूर की वार्षिक संवंसाधारण सभा दिनांक ७-८-१९७९ दिन रात्रिवार समय २ बजे दोपहर मंडल के कार्यालय में होगी । अतः आपको उपस्थिति प्राप्तिय है ।

वार्षिक संवंसाधारण सभा में निम्नलिखित विषयों पर विचार विसर्जन होगा ।

- १. पिछली वार्षिक साधारण सभा के विवरण को स्वीकृति प्रदान करना ।
- २. ११ मार्च, १९७९ को समाप्त होने वाले वर्ष के आय-व्यय लेखा का इच्छिति प्रदान करना ।

उपसचिव द्वारा वार्षिक विवरण वाचन ।

- ३. १९७९-८० के लिए अंकेशक की नियुक्ति करना ।
- ४. पालीबाल छात्रावास से संबंधित विषय पर विचार करना ।
- ५. नयी कार्यकारिणी समिति का चुनाव करना ।
- ६. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय ।

कार्यकारिणी समिति के आदेशानुसार  
उपर्युक्ती  
उपर्युक्ती

( शिवानाथायण पालीबाल )  
पालीबाल सेवा मंडल, नागपूर.

# पालीवाल रेवा मंडल, नागपुर

रजी. Reg. No. E. 337 (N)

३१ मार्च, १९७७ को समाप्त होने वाले वर्ष का विवरण

भाग्यवर महोदय /महोदय,  
हमें इस बात का हर्ष है कि हम आप महान्‌भावों के समक्ष ३१ मार्च, १९७७ को  
समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय लेखा एवं विवरण, अपने उद्देश्यों को पूर्णता की और  
अग्रसर होते हुए, प्रस्तुत कर रहे हैं ।

## पालीवाल भवन छात्रावास

पालीवाल समाज एवं लात्रों की आवश्यकता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंडल एक भवन प्राप्त करने के प्रयास में कई वर्षों से लगा हआ था । अब यह उद्देश्य मंडल के सदस्यों के अशक प्रयास से एवं दानदाताओं के सहयोग से २८-१-१९७७ को पूर्ण हो गया है । हमको यह बताते हुए हर्ष होता है कि बरीदी के समय भवन का अधिकांश भाग खाली था । बरीदी के समय भवन जीर्ण-शीण अवस्था में था इसलिये ५-२-७७ की कार्यकारिणी समिति को सभा में यह प्रस्ताव, संबंधमति से पारित किया गया कि “सर्वप्रथम भवन की मरम्मत की जावे और उसके लिए आवश्यक राशि एकत्रित की जावे तथा कार्य को तुरन्त प्रारम्भ करने के लिए उपयोग किया जाये क्योंकि भवन को बरीदने का मुख्य उद्देश्य ही छात्रों के रहने के लिये आवास की व्यवस्था करना है । अतः यह आवश्यक है कि जून १९७७ के पहले तथा पाठ्याला एवं महाविद्यालय चालू होने के पूर्व भवन पूर्णतया छात्रावास के लिए उपयोग की पूर्ति के लिए अति आवश्यक मरम्मत करायी गयी । भवन की मरम्मत का काम जो अघूरा है उसको देखकर सुझाव देने हेतु एक “भवन मरम्मत उपसमिति” का गठन २४-४-१९७७ की कार्यकारिणी की बैठक में किया गया जिसके अध्यक्ष श्री आईदानजी पुनंद (सिंदी) नियुक्त किये गये । इस उपसमिति के और दो सदस्य अध्यक्ष (पदेन) एवं सचिव (पदेन) रहेंगे । इस उपसमिति में ३-७-१९७७ की कार्यकारिणी की बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें यह प्रतिपादित किया गया कि भवन मरम्मत का जो काम किया गया है, वह सन्तोषजनक है तथा सुझाव दिया गया है कि भवन की दूसरी मंजिल की दीवारों की तथा अन्य मरम्मत की अति आवश्यकता है ।

२४-४-१९७७ की कार्यकारिणी समिति की सभा में छात्रावास के नियम बताते संबंधी “छात्रावास उपसमिति” का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष पं. किशोरीलालजी (नागपुर) एवं दो सदस्य श्री. कन्हैयालालजी धामट (नागपुर) एवं श्री. अमृतलालजी

(२)

हरजाल (काटोल) नियुक्त किये गये। इस उपरामिति ने ३-७-१९९७ की कार्यकारिणी सभा में छाचावास नियम संबंधी रिपोर्ट प्रदूषन की जिसकी कार्यकारिणी ने संवेदनमति से मंजूर किया। इसकी प्रति वार्षिक फैसले के साथ संलग्न की जा रही है।

### छाचावास-

छाचावास सन् १९७६-७७ के लिए रुपये १९६०/-, १ छात्रों को वितरित की गयी।

### परिचायिका-

पांडीचाल परिचारों को जानकारी हेतु परिचायिका का लिखित कार्य पूर्ण हो गया है और जितनी जलदी सम्भव हो सकेगा, इस पुस्तक को छाचावास के लिए कार्यकारिणी प्रयत्नशील है। अभी तक रुपया १२,३१०/- विजापन द्वारा एकत्र किया गया।

### बरतन भौदार-

सन् १९७६-७७ वर्ष में रु. ६,६१४ महिलाओं ने बरतनों के लिए एकत्रित किये।

००-०५९८	०६-०६२	१२१८८	४०-३७७,६६८	४२८७६
०८-२१६	८२४७६	८२४७६	६९-३६२,८८	६९-३६२,८८
००-६८४	८२४७६	८२४७६	६९-८८६	६९-८८६
००-०८६८	८२४७६	८२४७६	०८-६५६६	०८-६५६६
००-३६८	८२४७६	८२४७६	००-८६६९	००-८६६९
००-३६९	८२४७६	८२४७६	००-०३६८०	००-०३६८०
००-७३८	८२४७६	८२४७६	००-८००६०६	००-८००६०६
६२-८२२६	८२४७६	८२४७६	००-८००३	००-८००३
००-३६९	८२४७६	८२४७६	००-८३४६	००-८३४६
००-६८४	८२४७६	८२४७६	००-८८६८	००-८८६८
००-६८५	८२४७६	८२४७६	००-०६६३	००-०६६३
३०-८१२,८८	८२४७६	८२४७६	१५-८८६६६	१५-८८६६६
३०-८१२,८८	८२४७६	८२४७६	१५-८८६६६	१५-८८६६६
००-०००,८४,८४	८२४७६	८२४७६	१५-८८६६६	१५-८८६६६

प्राप्ति का नियमित विवरण इसकी विवरणी के अनुसार है। इसकी विवरणी का उपरामिति विवरणी के अनुसार है। इसकी विवरणी का उपरामिति विवरणी के अनुसार है।

ଶ୍ରୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀ

କବିତା

ପାଠ୍ୟ ପଦ୍ଧତି

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ ପଦ୍ଧତି

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ ପଦ୍ଧତି

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ ପଦ୍ଧତି

୧୯-୧୯୮୫

୩୨-୩୮୮  
୨୬-୩୨୯  
୨୬-୩୨୯  
୨୬-୩୨୯  
୨୬-୩୨୯

୧୯-୧୯୮୫

୦୦-୨୦୦୧  
୦୦-୦୦୦୫  
୧୦-୧୯୧  
୧୦-୧୯୧  
୧୦-୧୯୧  
୧୦-୧୯୧  
୧୦-୧୯୧

୦୦-୨୮୮

୦୦-୦୦୦୮  
୦୦-୩୮୯  
୦୦-୮୯୯  
୦୦-୨୮୮

୦୦-୨୮୮

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ

ପାଠ୍ୟ-ପଦ୍ଧତି

ପାଠ୍ୟ-ପଦ୍ଧତି

ପାଠ୍ୟ